डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

सा.अ / 37 / पीआर / 2018 18.9. 2018

प्रेस विज्ञप्ति

'कथासंधि' कार्यक्रम में तरन्नुम रियाज़ का कहानी–पाठ

नई दिल्ली, 18 सितंबर 2018 : साहित्य अकादेमी द्वारा 'कथासंधि' कार्यक्रम के अंतर्गत उर्दू की लब्धप्रतिष्ठ कथालेखिका एवं कवयित्री डॉ. तरन्नुम रियाज़ के कहानी–पाठ का आयोजन अकादेमी सभागार में किया गया। आरंभ में अकादेमी के सचिव डॉ. के. श्रीनिवासराव ने पुस्तक भेंट देकर उनका अभिनंदन किया तथा विशेष कार्याधिकारी डॉ. देवेंद्र कुमार देवेश ने उनका संक्षिप्त परिचय देते हुए सभी का स्वागत किया और डॉ. रियाज़ को कहानी–पाठ के लिए आमंत्रित किया।

डॉ. तरन्नुम रियाज ने कहानी–पाठ के पूर्व अपनी रचना–यात्रा पर संक्षेप में प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कविता और कहानी लिखना उन्होंने लगभग एक साथ ही शुरू किया। लेकिन कहानी उनकी पहली मुहब्बत है। उन्होंने कहा कि उनकी पहली ही कहानी विवादास्पद हो गई थी, क्योंकि उसमें ज़ुल्मो–सितम सहती हुई एक औरत द्वारा वैवाहिक संबंध–विच्छेद के विषय को उठाया गया था।

कार्यक्रम में उन्होंने अपनी ताज़ा कहानी 'रेश–ए सितम केश' का पाठ किया, जिसमें स्त्री–पुरुष संबंधों की पड़ताल करते हुए उनके मन की अनुभूतियों को बारीकी से उकेरा गया था। एक प्रोफेसर की पत्नी यह नहीं चाहती कि उसके पति हसीनाओं के जाल में फँसे, इसलिए वह उन्हें दाढ़ी रखने की सलाह देती है, जो उन्हें बहुत नागवार गुजरती है। लेकिन पहली बार अपने नए चेहरे को मजबूरी में ओढ़े हुए तमाम शंकाओं के साथ प्रोफेसर साहब कॉलेज पहुँचते हैं, तो जो वाकयात पेश आते हैं, उनके कारण उनके भीतर से एक नई शख्सियत उभरकर सामने आती है। कहानी को अपने मुकाम तक पहुँचाने में जिस भाषा–कौशल का परिचय डॉ. तरन्नुम रियाज़ ने दिया, उसकी सभी ने मुक्त स्वर में प्रशंसा की।

कहानी–पाठ के डॉ. तरन्नुम रियाज़ ने प्रबुद्ध श्रोताओं के सवालों के जवाब भी दिए। इस अवसर पर प्रो. रियाज़ पंजाबी, डॉ. फरियाद आज़र, प्रो. शहज़ाद अंजुम, डॉ. इफ्तिख़ार ज़मान, डॉ. अबु ज़हीर रब्बानी, डॉ. शहनाज़ रहमान, डॉ. सुहैल अनवर, डॉ. परवेज़ अनवर, सुश्री रेहाना सहित बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी उपस्थित थे।

(के. श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in